

**लाप्य** वि. (तत्.) 1. बोलने या कहने योग्य 2. जिससे बातचीत की जा सके, संभाष्य।

**लाफ़** स्त्री. (फा.) 1. डींग हाँकना 2. लंबी चौड़ी बातें हाँकने की क्रिया या भाव।

**लाबर** वि. (देश.) झूठ बोलने वाला, लबार।

**ला-बुद** वि. (अर.) जरूरी, आवश्यक, निश्चय।

**ला-बूदी** वि. (अर.) अनिवार्य, आवश्यक कर्तव्य।

**लाभ** पुं. (तत्.) 1. प्राप्त होना, कोई चीज हाथ में आना, मिलना, प्राप्ति, लब्धि 2. किसी प्रकार का होने वाला हित, उपकार, फायदा benefit 3. रोजगार आदि में होने वाला लाभ। profit

**लाभकारक** वि. (तत्.) 1. जिससे लाभ हो, फायदेमंद, लाभ कराने वाला 2. हितकारक।

**लाभकारी** वि. (तत्.) लाभकारक।

**लाभदायक** वि. (तत्.) लाभ देने वाला, जो लाभ कराता हो।

**लाभमद** पुं. (तत्.) वह मद या अहंकार जिसके कारण मनुष्य अपने आपको लाभवाला और दूसरे को हीन-पुण्य समझे।

**लाभ-स्थान** पुं. (तत्.) 1. लाभ की जगह 2. ज्योतिष में जन्म-कुंडली में लग्न से ग्याहरवाँ स्थान जो धन-धान्य, संतान, विद्या, आयु आदि का सूचक होता है।

**लाभांतराय** पुं. (तत्.) वह कर्म जिसके उदय से मनुष्य के लाभ में विघ्न पड़ता है।

**लाभांश** पुं. (तत्.) 1. लाभ का एक अंश 2. किसी कंपनी या कारखाने आदि के लाभ में से भागीदारों को लगाई गई पूंजी के अनुपात में मिलने वाला भाग। dividend

**लाभार्थी** पुं. (तत्.) वह जो किसी प्रकार के लाभ की कामना करता हो।

**लाभालाभ** पुं. (तत्.) 1. लाभ और हानि, लाभ और अलाभ 2. हित और अहित।

**लाम** पुं. (अर.) 1. अरबी वर्णमाला का एक वर्ण जो 'लकार' की ध्वनि देता है (फा.) 2. सेना 3. युद्ध मुहा.- लाम पर जाना- लड़ाई के मोर्चे पर जाना।

**लामज** पुं. (तद्.) खस की तरह का पीले रंग का एक प्रकार का तृण जो औषधि के रूप में काम आता है।

**लामज्जक** पुं. (तत्.) 1. लामज नामक तृण 2. खस, उशीर।

**लामन** पुं. (देश.) 1. झूलना, लटकना 2. लहंगा उदा. लामन लिखियों सोतली चलत फिरत रंग जाय-गीत।

**लाम-बंदी** स्त्री. (अर.+फा.) सेनाओं को शस्त्रास्त्रों से सुसज्जित कर युद्ध्यार्थ प्रयाण के लिए तैयार रखना, युद्ध सन्नाह। mobilization

**लामा** पुं. (तिब्बती.) तिब्बत में बौद्ध धर्मावलंबियों के गुरु जो वहाँ के सर्वोच्च शासक भी हैं जैसे- दलाई लामा, पंचन लामा टि. दक्षिणी अमेरिका के पेरू देश का ऊँट की तरह का एक पशु जो घास खाने और पागुर करने वाला होता है और जिसका थूक विषैला होता है तथा इसे पानी की आवश्यकता नहीं होती है, वहीं की भाषा में इस पशु को लामा कहा जाता है।

**लामी** स्त्री. (देश.) राजपूताने का एक प्रकार का फल जो तरकारी बनाने के काम आता है।

**लामे** वि. (अर.) चमकने वाला, चमकीला, प्रकाशमान, रौशन अव्य. 1. कुछ दूरीपर 2. एक ओर हटकर।

**लाय** स्त्री. (देश.) 1. आग की लपट, ज्वाला, लौ 2. अग्नि, आग क्रि.वि. 1. लाकर 2. लगाकर उदा. अंग विभूति लाय भौ जोगी-कबीर।

**लायक** वि. (अर.) 1. उचित, ठीक, वाजिब 2. उपयुक्त, मुनासिब 3. गुणवान, गुणी 4. कुछ कर सकने के योग्य, समर्थ विलो. नालायक।

**लायकियत** स्त्री. (अर.) लायक होने की अवस्था या भाव, लायकी, योग्यता।